Baba’s Praise

05/8/2015

- बाप कहते हैं हमको इस पराई राजधानी में ही आना है। बाप का बड़ा मीठा और वन्डरफुल पार्ट है। खास जबकि इस पराये देश में आये हैं।
- ड्रामा का एक्टर होते हुए भी बाप को नहीं जानते! जो बाप ही करनकरावनहार है, क्या करते क्या कराते-यह भूल गये हो।
- वह ज्ञान का सागर है तो जरूर ज्ञान देने का कर्तव्य करेंगे ना।

- जिसमें 100 प्रतिशत सुख-शान्ति-पवित्रता सब है इसलिए उनको हेविन कहा जाता है। वहाँ दु:ख का नाम नहीं है। बाकी जो भी सब धर्म हैं उन सबका विनाश कराने निमित्त बनता हूँ। पुरानी दुनिया को खत्म कराता हूँ। ऐसा धन्धा तो और कोई नहीं करते हैं। कहा जाता है शंकर द्वारा विनाश।
- परमपिता परमात्मा सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त को जानते हैं। उनमें सारा ज्ञान है तो स्वदर्शन चक्रधारी ठहरे ना।
- बाप तो स्थापना और विनाश दोनों कराते हैं। होता है सब ड्रामा अनुसार ही।

- अब रूहानी पण्डे बनो। तुम्हारा भी नाम पण्डा है। पाण्डव सेना को भी समझते नहीं हैं। बाबा है पाण्डवों का सिरमौर।
- मक्खियों की भी रानी भागती है तो उनके पिछाड़ी सब भागते हैं। वन्डर है ना। सब आत्मायें भी मच्छरों मिसल जायेंगी। शिव की बरात है ना। तुम सब हो ब्राइड्स। मैं ब्राइडग्रूम आया हूँ सबको ले जाने।